तर्क की परिभाषा

तर्क वह बौद्धिक प्रक्रिया है जिसमें एक या अधिक प्रतिज्ञप्तियों (Premises) के आधार पर किसी निष्कर्ष तक पहुँचा जाता है। अर्थात तर्क वह है जिसमें हम किसी विचार को प्रमाणित या सिद्ध करते हैं।

जैसे -1) सभी मनुष्य नश्वर है। (मुख्य प्रतिज्ञप्ति)
2) राम मनुष्य है। (लघु प्रतिज्ञप्ति)
3) अतः राम नश्वर है। (निष्कर्ष)

तर्क के घटक

1. मुख्य प्रतिज्ञप्ति (Major Premise): यह सामान्य नियम बताता है। जैसे: सभी मनुष्य नश्वर हैं।
2. लघु प्रतिज्ञप्ति (Minor Premise): यह किसी विशेष तथ्य या व्यक्ति से जुड़ी होती है। जैसे - राम मनुष्य है।
3. निष्कर्ष (Conclusion): यह पूर्वकथन से निकला हुआ नया कथन होता है। जैसे - "अतः राम नश्वर है।

तर्क की संरचना

मुख्य प्रतिज्ञप्ति
↓
लघु प्रतिज्ञप्ति
↓
निष्कर्ष

तर्क के प्रकार

A) निगमनात्मक तर्क (Deductive Argument)

- इसमें निष्कर्ष सामान्य नियम से विशेष मामले पर लागू होता है।
- ज्ञान का प्रवाह सामान्य से विशेष (General → Particular) की ओर जाता है।

जैसे: सभी मनुष्य नश्वर हैं → राम मनुष्य है → अतः राम नश्वर है।

यहाँ, यदि पूर्वकथन सत्य है, तो निष्कर्ष अनिवार्य रूप से सत्य होगा।

(B) आगमनात्मक तर्क (Inductive Argument)
- इसमें निष्कर्ष विशेष घटनाओं से सामान्य ~~घटनाओं~~ सिद्धांत तक पहुंचता है।
- विशेष → सामान्य [Particular → General]

जैसे: जितने भी देखे गए कौवे काले हैं → अतः सभी कौवे काले हैं।
→ यहाँ तर्क संभाव्य (Probable) होता है, अनिवार्य नहीं।

तर्क की विशेषताएँ (Characteristics of Argument)
1) इसमें कम-से-कम एक निष्कर्ष और एक प्रतिज्ञप्ति अवश्य होती है।
2) निष्कर्ष सदैव प्रतिज्ञप्तियों से तार्किक रूप से संबंधित होता है।
3) तर्क का उद्देश्य किसी विचार को सिद्ध या प्रमाणित करना है।
4) तर्क का मूल्य उसके तार्किक रूप पर निर्भर करता है, न कि किसी विषयवस्तु पर।

तर्क की वैधता (Validity of Argument)

एक तर्क तभी वैध कहलाता है जब –
1) उसका निष्कर्ष प्रतिज्ञप्तियों से तार्किक रूप से अनुसरित (Logically Follow) हो, और
2) सभी प्रतिज्ञप्तियाँ सत्य हों।

यदि इनमें से कोई एक शर्त पूरी न हो, तो तर्क अवैध कहलाता है।

निष्कर्ष:
तर्कशास्त्र में Argument विचार की सर्वोच्च अवस्था है। यह वह प्रक्रिया है जिसमें हम ज्ञात बातों से अज्ञात निष्कर्ष तक पहुँचते हैं। प्रतिज्ञप्तियाँ तर्क की नींव हैं, और निष्कर्ष उसका परिणाम।
अतः कहा जा सकता है – "Proposition तर्क का आधार है, और Argument विचार का फल।"